

ग्रसाघारण

**EXTRAORDINARY** 

भाग II--लण्ड 3--उपलण्ड

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 95]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 14, 1972/माघ 25, 1893

No. 95] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 14, 1972/MAGHA 25, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

#### ORDER

New Delhi, the 14th February 1972

**S.O.** 137(E)/15/IDRA/72(4).—Whereas the industrial undertaking as Messrs. Raymon Engineering Works, Limited, Calcutta, is engaged in the Scheduled Industry, namely, transportation industry:

And whereas it has come to the notice of the Central Government that the production of the articles manufactured in the said industrial undertaking had been gradually going down and the production has now come to a standstill consequent upon the closure of the said industrial undertaking by the management;

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient to take measures to remedy the situation arising out of the closure of the said industrial undertaking and to ensure that production in the scheduled industry does not suffer to the detriment of the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

#### Chairman

Shri D R. Kochar, Additional Director Standards (Mechanical), R.D.S.O., Calcutta.

## Members

- 1 Shri A K Roy Choudhury, Deputy Financial Adviser, Metropolitan Transport Project, Calcutta
- 2 Shii H P Shabong, Deputy Secretary, Commerce and Industries Department, Government of West Bengal, Calcutta
- 3. Shri S Majumdar, Development Officer, Directorate General of Technical Development, Ministry of Industrial Development, New Delhi
- 2 The above body shall submit its report to the Central Government within a period of six weeks from the date of publication of this Order in the Official Gazette

[No F 25(23)/72-PEC.]
K S BHATNAGAR, Jt Secy

## ग्रौद्धाः गिक् विकास मञ्जलय

### श्राप्त के दर

# नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1972

का० ग्र $0.137(\pi)/15$  ग्राई० र्ड ० ग्रार० ए० $/72(\pi)$ —यत मे० रेमन इजीनियरिंग वक्सँ, लिमिटेड, कलकत्ता नामक ग्रीद्योगिक अफ्रम ग्रनुसूचित उद्योग, श्रर्थात परिवहन उद्योग मे लगा है,

भीर युंत , केन्द्रीय सरकार की आनवारी में यह भ्राया है कि उक्त कारखाने में विनिमित कस्तुओं के उत्पादन का परिणाम धीरे धीरे कम होता जा रहा है भीर प्रवधमङल द्वारा उक्त कारखाने को बन्द किय जाने के परिणामस्तरूप उत्पादन भ्रव णुन्य हो। गया है।

श्रौर यत केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त श्रौद्योगिक उपक्रम के बद होने से उत्पन्स स्थिति को सुधारने के लिए श्रौर यह सुनिश्चित करने के लिए कि श्रनुसूचित उद्योग का उत्पादन लोक हित पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले रूप में न बिगड़े, उपाय करना समीचीन है,

भ्रत, भ्रब उद्योग (विकास तथा विनियमन) भ्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा इस मामधे की परिस्थितियों में पूरी तरह से भ्रन्वेषण करने के प्रयोजनार्थ एक निकाय नियुक्त करती है जिसमें निम्नि सिखित व्यक्ति होगे ——

#### श्रद्ध भ

श्री डी० ग्रार० कोचर, ग्रपरनिदेशक, मानक (यात्रिका) ग्रार० डी० एस० ग्रो०, कलकत्ता

#### सवस्य

1 श्री ए० के० राय चौधरी, उप वित्तीय सलाहकार, मेट्रोपालिटन ट्रांस्पोर्न श्रोजेक्ट क्लकत्ता ।

- श्री एच ॰ पी० मबींग, उप सचिव, वाणिज्य तथा उद्योग विभाग, पिंचमी बंगाल सरकार, कलकत्ता।
- 3. श्री एस॰ मजूमदार, विकास अधिकारी, तकनीकी विकास का महानिदेशालय, श्रीद्योगिक विकास विभाग, नई दिल्ली ।
- 2. उपरोक्त निकाय राजपत्र में इस श्रादेश के प्रकाशन की तारीख से छः सण्ताह की भविध के भीतर केन्द्रीय सरकार को श्रपनी रिर्पोट पेश करेगा।

[सं० फा० 25 (23)/72-पी० ई० सी०] के॰ एस० भटनागर, संयुक्त सचिव।